



शील श्रुतम्

सरदार पटेल विश्वविद्यालयनुं भासिष्ठ वृत्तपत्र
वर्ष: २७ अंक: ५ मार्च-ओगस्ट २०१७ भडा २०७३ सणग अंक: २१०

University Updates	Departments in News	Research Corner	Colleges in News	Teachers' Corner	Students' Corner
3	6	7	8	12	13

PARTICIPATION IN GRAND EDUCATION FAIR 2017



KCG and Gujarat University had organized Grand Education Fair on 14, 15 and 16 June 2017 at Gujarat University Exhibition Hall. The basic objective of this fair was to provide platform to the students which allow them well informed decision for pursuing further studies and taking up professionals within the state, country and internationally. In this Education Fair approximately 60 Universities, 100 Colleges and 10 International Educational Institutions took part.

Sardar Patel University took active part in Grand Education Fair 2017 with well decorative stall. Our university was allotted 6x3 meter space in which we displayed information about our university using banner, television and other visual aids. Out of all visitors approximately 2500 students and parents visitors visited our stall and inquired about programmes of our University. Representatives of our University gave satisfactory answers to their queries and questions relating to admissions, fees structure, eligibility, admission procedure etc. Representatives also explained achievements of our University to the visitors and made them aware about SPU culture. Our broacher was well appreciated by visitors.

अनुसंधान पृष्ठ २ पर...



Index

1. Editorial	1
2. University Updates	3
3. Department in News	6
4. Research Corner	7
5. Colleges in News	8
6. Teachers' Corner	12
7. Students' Corner	13

Editorial Board

Hemant Dave

Ujjawal Trivedi

Manish Solanki

Arpit Patadiya

Neepa Bharucha

Shiv Prasad Shukla

Editorial Policy

Sheel Shrutam is the newsletter of Sardar Patel University.

Sheel Shrutam publishes news of University's academic institutions, teaching and non-teaching staff and of students.

Sheel Shrutam is published in every month except April to June in an academic year.

News should be sent to **Tushar Majmudar, Dy. Registrar, IQAC, Sardar Patel University** so as to reach fifteen days before the date of publication; news received after that will be included in the next issue.

News should be brief and neatly typed; in case of handwritten news, it should be clearly legible. Photographs—hard, not soft, copy—of important news may also be sent.

News should be sent on the letter-head of the Institution and duly signed.

The decision of the Editorial Board will be final in matters of selection/editing/publication of news.

Sheel Shrutam holds the copyright to the material—textual and photographic—published therein. The right to reprint and reuse such material lies with the University.

The contributors are solely responsible for matters published in **Sheel Shrutam**.

शिक्षा और नैतिकता



मनुष्य एक ऐसा प्राणी जो अपनी सुख-सुविधाओं के लिए जड़ एवं चेतन का शोषण संस्कृति एवं सभ्यता के नाम पर आद्यंत करता आ रहा है। इक्कीसवीं शताब्दी में शिक्षा एवं नैतिकता की बात करना मज़ाक बन गया है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में सतत, परिवर्तन शिक्षा एवं आई.सी.टी. के माध्यम से देखा जा रहा है। भारतीय संविधान की धजियाँ यों ही उधेड़ी जा रही हैं क्योंकि १४ वर्ष के बच्चों की शिक्षा मज़ाक बनकर रह गयी है। केन्द्र एवं राज्य सरकारों के बीच शैक्षिक हर गतिविधियों में काफी अंतराल दिखायी दे रहा है। यदि शिक्षा मनुष्य में आत्मबल पैदा करती तो लोकतंत्र के गर्भ से निगमिक पूँजीवाद (Corporate Capitalism) लोकतांत्रिक लेबल लगाकर लोगों की संवेदनाओं के साथ खिलवाड़ न करता। प्रकृति एवं पुरुष के बीच संतुलन शैक्षिक एवं नैतिक स्तर पर अनिवार्य है। शिक्षा एवं तकनीकी बहु उद्देशीय शिक्षा मात्र मानव प्रबंधन एवं रखरखाव तक सीमित होकर प्रकृति के संरक्षण के लिए भी अनिवार्य है। मानव सर्जित प्राकृतिक दोहनों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं फोन्ट के चलते भारतीय भाषाएँ ई-मेल, फेसबुक, एस.एम.एस., ट्वीटर एवं ब्लॉग आदि रोमन में लिखे जा रहे हैं। इसलिए Destroy the culture and civilization का संकट भारत के सामने १९६९ ई. से ही पैदा हो गया है। विश्व के ५३४ परमाणु रिएक्टर केन्द्रों से सतत रेडिएशन किरणों का निकलना, कुडमकुलम् परमाणु केन्द्र को उच्चतम् न्यायालय के निर्देशानुसार परिचालित करने की अनुमति देना भी बहुत कुछ कह जाता है। यानी पंचायत की जगह जिला, उच्च एवं उच्चतम न्यायालयों का हस्तक्षेप मानवाधिकारों में हस्तक्षेप ही करना है।

फिलहाल लिपि, भाषा, चिकित्सा, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, आर्यभटीय, काव्यशास्त्र, महाकाव्य, खंडकाव्य, गीतिकाव्य एवं छंदों का प्रणेता भारत भौगोलिक एवं भाषिक लघुता ग्रंथियों का शिकार बनता दिखायी दे रहा है। २ फरवरी १८३५ को लार्ड मैकाले द्वारा ब्रिटिश संसद के उद्बोधन ध्यातव्य हैं : "I have travelled across the length and breadth of india and I have not seen one preson who is beggar, who is thief such wealth I have seen in this country, such high moral values, people of such caliber, that I dont think we would ever conquer this country, unless we break the very back bone of this Nation, which is her spiritual and cultural heritage and there fore, I propose that we replace her old and ancient education system, her culture for if the indians thinks that all that is Foreign and English is good and greater than their own, they will lose their self esteem, a truely dominated Nation" (भाषा : ब्लूमफील्ड, पृ.११२) १८८२ ई. में हंटर कमिशन की अनुमति मिलने पर भी स्ववित्त पोषी (Self Finance) संस्थाएँ स्थापित नहीं हुई जबकि १९९० के बाद उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण के दौर में अंग्रेजों की मानसिक गुलामी को स्वीकार करने से पंच प्राकृतों, भारतीय भाषाओं एवं बोलियों का सफाया होना खतरे से खाली नहीं है। इसलिए आचार्य राममूर्ति की नयी शिक्षा समिति के आधार पर नवोदय विद्यालय की तर्ज पर महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों का स्थापित होना अनिवार्य है जिस से गरीब प्रतिभाशाली व्यक्ति भी शिक्षित हो सकें। भारतीय शिक्षा व्यवस्था के आध्यात्मिक शैक्षणिक केन्द्रों की स्वायत्तता को मानव

प्रबंधन एवं संसाधनों से इस प्रकार अनुस्यूत किया जाय कि मनुष्य का आत्मिक एवं भौतिक विकास पारदर्शी ढंग से हो, तभी मानवीय संवेदनाओं एवं सम्बंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी वरना अनेक तरह के हिंसामय वातावरण को संतुलित कर पाना कठिन होगा। उदयनाचार्य एवं वाचस्पति मिश्र ने पहली सहस्राब्दी के अंत के आसपास जयंत भट्ट को करारा जवाब देने के लिए 'वयं आधुनिकाः' शब्द का प्रयोग किया था। अब हम सब को तय करना होगा कि सोलहवीं शताब्दी के आसपास यूरोपीय आधुनिकता सही थी या वामन का रीतिसिद्धांत या आज के देरिदा के सिद्धांत जो भी हो, भारतेन्दु के शब्दों में -

“निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल।
बिनु निजु भाषा ज्ञान कै मिटै न हिय को सूल ॥”

इसलिए भारतीय शिक्षा एवं नैतिकता को अद्यतन बनाकर ही लोकमंगल स्थापित किया जा सकता है। शिक्षक, शिक्षा, परीक्षा एवं समाज में पारदर्शिता स्थापित करना अनिवार्य है। हिंसामय वातावरण को शिक्षा के मारफत सर्जनात्मक बनाने का अच्छा अवसर है।

- शिवप्रसाद शुक्ल

90.4 FM कोम्युनिटी रेडियो स्टेशन

युनिवर्सिटी द्वारा प्रस्थापित 90.4 FM कोम्युनिटी रेडियो स्टेशन वधु वेगवंतुं बनाववा माटे शाळाओ, कोलेजे अने अनुस्नातक लवनोना विद्यार्थीओ तथा शिक्षको/अध्यापकोने पण कोम्युनिटी रेडियो स्टेशननो (0२६६२-२२६६२ / 0२६६२-२२६६०) अने कार्यक्रम निर्माणा समितिना संयोजक, श्री डॉ. पिनाकिनीबेन पंडया (मो. ९६६२७३८९७२)नो संपर्क करीने विविध विषयो जेवा के, आरोग्य संभाण, योग, पुस्तकपठन, वार्ता, कवितापठन, स्पर्धात्मक परीक्षाओ अंगेनो वार्तालाप, सरकारना प्रवर्तमान विषयो जेवा के Startup India तथा Make-up India, Distance Learning Education, सरकार द्वारा विविध अनुदान आपती संस्थाओ द्वारा भणतां अनुदाननी माहिती तथा संशोधको पासेथी तेमना विषयनी विशेष माहिती वगेरेनुं मुद्रण करावी प्रसारित करावी शकशे.

अनुसंधान भुजपृष्ठ परथी...

Chief Secretary of Higher & Technical Education Ms. Anju Sharma and Vice Chancellor of Maharaja Sayajirao University, Kutch University, Children's University and many other Universities visited our stall. Apart from those eminent professors, Registrars of various Universities, Head of the departments, principals of various collages and large number of students visited our stall during 3 days.

The overall response to the fair was good. Dr. Y M Davadi, Professor P G Department of Business Studies was appointed as Nodal Officer and Dr. Dr. S M Makwana Professor and Head, Psychology Dept was appointed as Joint Nodal Officer. Dr. K S Prasad, Dr. R M Rathod and Dr. Vilas Kulkarni supported this event.

University Updates

સિન્ડિકેટ સદસ્ય શ્રી દેવાંગ પટેલે યુનિવર્સિટીને નીચે દર્શાવેલી દરેક વ્યક્તિને નામે રૂ.૧,૦૦,૦૦૦/-થી રૂ.૫,૦૦,૦૦૦/-નું દાન ગણી યુનિવર્સિટીના રુલ્સ સેક્શન 15 II (B) (iii) અને (iv) મુજબ નોંધાય અને ઇન્ફોવાલા ચેરિટેબલ ટ્રસ્ટ તથા પરિવાર - નડિયાદ તરફથી આવેલ Multidisciplinary Center (Center For Lifelong Learning) હેઠળ આપેલ છે. તે પ્રમાણે કુલ \$ ૧૭,૫૦૦/- નું દાન યુનિવર્સિટીમાં આપેલ છે.

ક્રમ	દાતાનું નામ	ક્રમ	દાતાનું નામ
૧.	શ્રી દેવાંગભાઈ રમેશભાઈ પટેલ	૭.	શ્રી મૌલિન ગીરીશભાઈ વ્યાસ
૨.	શ્રી જિતેન્દ્રભાઈ રાવજીભાઈ પટેલ	૮.	શ્રી મોહિત હર્ષદભાઈ દવે
૩.	શ્રી ધનંજય કાનજીભાઈ પટેલ	૯.	શ્રી જતીનભાઈ મનુભાઈ ભટ્ટ
૪.	શ્રી અશ્વિનભાઈ બાબુભાઈ પટેલ	૧૦.	શ્રી ડીકુલભાઈ જશભાઈ પટેલ
૫.	શ્રી હિતેન્દ્રકુમાર પ્રવીણકાંત દવે	૧૧.	શ્રી હસિત હરિવિલાસ મહેતા
૬.	શ્રી ચંદ્રકાંતભાઈ રાવજીભાઈ પટેલ		

ઉચ્ચ શિક્ષણ કમિશનરની કચેરી, ગુજરાત રાજ્ય, ગાંધીનગરના તા. ૧૬-૩-૧૭ના પત્રાંક નં. CHE/ISC7/EDN-30/S.P./5710-15/2017થી સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીને રૂ. ૫,૮૯,૬૨,૦૦૦/-નું અનુદાન મંજૂર કરવામાં આવ્યું છે. આ રકમ પૈકી યુનિવર્સિટી ખાતે ૫૦૦ વ્યક્તિઓની બેઠકક્ષમતાવાળા પ્રેક્ષાગૃહના બાંધકામ માટે રૂ. ૫,૦૦,૦૦,૦૦૦/- મંજૂર કરવામાં આવ્યું. તે સંદર્ભે પ્રેક્ષાગૃહ બાંધકામના સ્થળ પસંદગીની પેટા સમિતિની કામગીરીની કાર્યનોંધ મંજૂર કરવામાં આવી અને ૫ કરોડનું બીજું દાન શ્રી દેવાંગભાઈ પટેલ દ્વારા સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીના ભૂતપૂર્વ વિદ્યાર્થી (પરદેશ) તરફથી મળનાર છે તેથી કુલ ૧૦૦૦ વ્યક્તિની બેઠકની ક્ષમતાવાળું પ્રેક્ષાગૃહ બનાવવા મંજૂરી આપવામાં આવી.

M.Pharm in Quality Assurance વિષય માટે મંજૂરી

સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીના અનુસ્નાતક ફાર્મસી વિભાગને ફાર્મસી કાઉન્સિલ ઓફ ઈન્ડિયા તરફથી શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૧૭-૧૮ માટે કુલ ૦૬ બેઠકો M.Pharm in Quality Assurance વિષય માટે મંજૂરી મળી છે. માન્ય યુનિવર્સિટીમાંથી B.Pharm થયેલા વિદ્યાર્થીઓ પ્રવેશ પ્રક્રિયા જે ACPC દ્વારા કરવામાં આવે છે, તેની ઓનલાઈન માહિતી મેળવી શકે છે. આ અભ્યાસક્રમની વાર્ષિક ફી રૂ.૯૦,૦૦૦ ગુજરાત રાજ્ય ફી રેગ્યુલેશન કમિટી દ્વારા નક્કી કરવામાં આવી છે. વિશેષમાં જણાવવાનું કે યુનિવર્સિટી દ્વારા પ્રવેશ પ્રાપ્ત દરેક વિદ્યાર્થીઓને રૂ. ૩૦૦૦ પ્રતિમાસ શિષ્યવૃત્તિ મળવાપાત્ર છે.

Direct Recruitment + Special Recruitment Drive (5th attempt)

Sr. No.	Department	Name of the Post	Selected Candidate
1.	Sociology	Assistant Professor	Dr. Magan Manji Makwana
2.	History	Associate Professor	Dr. Shailesh B. Solanki
3.	Sanskrit	Assistant Professor	Dr. Lalitkumar A. Patel
4.	Political Science	Assistant Professor	Dr. Harunbhai A. Mansuri
5.	Political Science	Assistant Professor	Dr. Arpit L. Patadia
6.	Hindi	Assistant Professor	Dr. Parvatiben J. Gosai
7.	Hindi	Assistant Professor	Dr. Aniladevi T. Pandey
8.	Gujarati	Assistant Professor	Dr. Rajeshvari V. Patel
9.	Chemistry	Assistant Professor	Dr. Komalben M. Vyas Dr. Bhupendra S. Bhatt
10.	Chemistry	Assistant Professor	Dr. Kesur Rajade Ram
11.	Education	Associate Professor	Dr. Pareshkumar B. Acharya
12.	Education	Associate Professor	Dr. Sureshbhai C. Padvi
13.	Education	Assistant Professor	Mrs. Amrita J. Marshal
14.	Biosciences	Associate Professor	Dr. Nishant P. Visavadiya
15.	Biosciences	Associate Professor	Dr. Hetalkumar J. Panchal
16.	Biosciences	Assistant Professor	Mr. Dineshkumar S. Vasava
17.	History	Assistant Professor	Dr. Vasant D. Patel

ભાઈકાકા ગ્રંથાલય, સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી, વિદ્યાનગર ખાતે પુસ્તક મેળાનું આયોજન

ભાઈકાકા ગ્રંથાલય, સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી, વલ્લભ વિદ્યાનગર ખાતે તારીખ: ૧૦ ઓગષ્ટ, ૨૦૧૭ના રોજ સવારના ૧૦.૦૦ થી સાંજના ૫.૦૦ કલાક દરમિયાન પુસ્તક મેળા (Book Fair)નું આયોજન કરવામાં આવેલ હતું. આ પુસ્તકમેળાનું ઉદ્ઘાટન સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી, વલ્લભ વિદ્યાનગરના માનનીય કુલપતિશ્રી ડૉ. શિરીષ કુલકર્ણીના હસ્તે કરવામાં આવ્યું હતું. આ પ્રસંગે કુલસચિવશ્રી ડૉ. રામસિંહ રાજપૂત, યુનિવર્સિટીના વિવિધ વિભાગોના અધિકારીશ્રીઓ, વિભાગીય વડાશ્રીઓ તેમજ અધ્યાપકશ્રીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. આ પુસ્તક મેળામાં વિવિધ ખ્યાતનામ આંતરરાષ્ટ્રીય તથા રાષ્ટ્રીય કક્ષાના પ્રકાશકોના પુસ્તકો દિલ્હી, મુંબઈ, પુના, વડોદરા, અમદાવાદ જેવા મહાનગરોના ૨૬ પુસ્તક વિક્રેતાઓ દ્વારા ઉપલબ્ધ કરવામાં આવ્યા હતા.



આ પુસ્તક મેળાનો હેતુ સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીના અનુસ્નાતક વિભાગોના પ્રાધ્યાપકશ્રીઓ, સંશોધનાર્થીઓ અને વિદ્યાર્થીઓને એક જ સ્થળેથી વિવિધ વિષયોના રાષ્ટ્રીય તથા આંતરરાષ્ટ્રીય કક્ષાના પ્રકાશકોના પુસ્તકો ઉપલબ્ધ થાય તે છે. આ પુસ્તકમેળાને વિવિધ વિભાગોના પ્રાધ્યાપકો તેમજ વિદ્યાર્થીઓનો અભૂતપૂર્વ પ્રતિસાદ મળેલ છે. પુસ્તકમેળામાં લગભગ હજારેક જેટલા વિદ્યાર્થીઓ તેમજ પ્રાધ્યાપકોએ મુલાકાત લીધેલ હતી. અને આ પુસ્તકમેળામાં એન્ટરપ્રિન્યોરશીપ, જીનેટીક, કુડ ટેકનોલોજી, બાયોટેકનોલોજી, સોશ્યલ સાયન્સ, બેઝીક સાયન્સ, વિવિધ સ્પર્ધાત્મક પરીક્ષાઓને લગતા પુસ્તકો, સંદર્ભ ગ્રંથો ઉપલબ્ધ હતા. ઈન્ટરનેટના સમયમાં પ્રિન્ટ મિડીયાના પુસ્તકો માટે પણ મુલાકાતીઓમાં અનેરો ઉત્સાહ જોવા મળેલ છે.

Career Advancement Scheme

અ.નં.	કર્મચારીનું નામ	હાલનો હોદ્દો	બઢતીનું સ્ટેજ	વિભાગ	બઢતી મળ્યા તારીખ
૧.	ડૉ.હેમંતકુમાર વી. દવે	આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર	સ્ટેજ-૧ થી ૨	ઇતિહાસ	૦૬/૧૦/૨૦૧૨
૨.	ડૉ.મહેશકુમાર જી. પટેલ	આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર	સ્ટેજ-૧ થી ૨	સંસ્કૃત	૨૧/૧૨/૨૦૧૫
૩.	ડૉ.સીમાબેન રાહોડ	આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર	સ્ટેજ-૧ થી ૨	હિન્દી	૦૮/૧૨/૨૦૧૫
૪.	ડૉ.રમેશચંદ્ર વી. ચૌધરી	આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર	સ્ટેજ-૧ થી ૨	ગુજરાતી	૨૧/૧૨/૨૦૧૫
૫.	ડૉ. સુધાબેન ચૌહાણ	આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર	સ્ટેજ-૧ થી ૨	ગુજરાતી	૨૧/૧૧/૨૦૧૫
૬.	ડૉ.નવીન પી. ચીખલિયા	આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર	સ્ટેજ-૧ થી ૨	કેમિસ્ટ્રી	૦૧/૦૬/૨૦૧૬

અ.નં.	કર્મચારીનું નામ	હાલનો હોદ્દો	બઢતીનું સ્ટેજ	વિભાગ	બઢતી મળ્યા તારીખ
૧.	ડૉ.કિરીટભાઈ એચ. પટેલ	આસિ.પ્રોફે. (S.S.)	સ્ટેજ-૨ થી ૩	કેમિસ્ટ્રી	૦૧/૦૧/૨૦૧૧
૨.	ડૉ.જયશ્રીબેન કે. દવે	આસિ.પ્રોફે. (S.S.)	સ્ટેજ-૨ થી ૩	એમ.બી.પી.સી.ઇ.	૨૬/૧૦/૨૦૧૫
૩.	ડૉ.દિપાલી એ. મહિડા	આસિ.પ્રોફે. (S.S.)	સ્ટેજ-૨ થી ૩	એમ.બી.પી.સી.ઇ.	૨૮/૧૧/૨૦૧૬

અ.નં.	કર્મચારીનું નામ	હાલનો હોદ્દો	બઢતીનું સ્ટેજ	વિભાગ	બઢતી મળ્યા તારીખ
૧.	ડૉ.હસમુખભાઈ એમ. પરમાર	આસિ. પ્રોફે. (S.G.)	સ્ટેજ-૩ થી ૪	હિન્દી	૨૨/૦૬/૨૦૧૫
૨.	ડૉ.ઇલાબેન એમ. મેકવાન	એશો.પ્રોફે. (DCAS)	સ્ટેજ-૪ થી ૫	સમાજશાસ્ત્ર	૦૧/૦૩/૨૦૧૬
૩.	ડૉ.ઉજ્જવલ બી. ત્રિવેદી	એશો. પ્રોફે.	સ્ટેજ-૪ થી ૫	બાયોસાયન્સીસ	૦૧/૦૧/૨૦૧૧
૪.	ડૉ.અમિતા આર. શાહ	એશો.પ્રોફે. (DCAS)	સ્ટેજ-૪ થી ૫	બાયોસાયન્સીસ	૨૩/૧૦/૨૦૧૧
૫.	ડૉ.હરેશકુમાર આર. કેહરિયા	એશો. પ્રોફે.	સ્ટેજ-૪ થી ૫	બાયોસાયન્સીસ	૨૮/૧૧/૨૦૧૧

વયોચિત નિવૃત્તિ

અ.નુ.	નામ	હોદ્દો	વિભાગ
૧.	ડૉ. દત્તા બાબુરાવ માદમવાર	પ્રોફેસર	અનુસ્નાતક બાયોસાયન્સીસ વિભાગ
૨.	ડૉ. એ.વી.આર.એલ. નરસિંહચાર્ય	પ્રોફેસર (સીએએસ)	અનુસ્નાતક બાયોસાયન્સીસ વિભાગ
૩.	ડૉ. મહેશચન્દ્ર કાન્તિલાલ યાજ્ઞિક	પ્રોફેસર અને કા.વડા	અનુસ્નાતક શિક્ષણશાસ્ત્ર વિભાગ
૪.	ડૉ. મહેન્દ્રકુમાર અરજણ ચોટલિયા	એસો. પ્રોફે. (સ્વૈચ્છિક નિવૃત્તિ)	અનુસ્નાતક શિક્ષણશાસ્ત્ર વિભાગ
૫.	ડૉ. (શ્રીમતિ) રસીદાબેન મોતીશા દીવાન	એસો. પ્રોફે. (એસ.જી.) (સ્વૈચ્છિક નિવૃત્તિ)	એમ.બી.પટેલ કોલેજ ઓફ એજ્યુકેશન
૬.	ડૉ. (શ્રીમતિ) નંદાબેન માધાભાઈ પટેલ	પ્રોફેસર (ડીસીએએસ) (સ્વૈચ્છિક નિવૃત્તિ)	અનુસ્નાતક અર્થશાસ્ત્ર વિભાગ
૭.	ડૉ. નવનીતકુમાર રામગોપાલસિંહ ચૌહાણ	પ્રોફેસર	અનુસ્નાતક હિન્દી વિભાગ
૮.	ડૉ. ગુનામણી બિશ્વનાથ દહેરી	એસો. પ્રોફે. (ડીસીએએસ)	અનુસ્નાતક ગણિતશાસ્ત્ર વિભાગ
૯.	શ્રી હર્ષદભાઈ ઉદેસિંહ પરમાર	ટેકનિકલ આસીસ્ટન્ટ	ભાઈકાકા લોચબેરી
૧૦.	ડૉ.રજનીકાન્ત રતિલાલ દેસાઈ	ટેકનિશ્યન	અનુસ્નાતક રસાયણશાસ્ત્ર વિભાગ
૧૧.	શ્રી નિતીન બંસીલાલ ભાવસાર	કમ્પાઉન્ડર	યુનિવર્સિટી હેલ્થ સેન્ટર
૧૨.	શ્રી જીતેન્દ્રકુમાર શનાભાઈ પટેલ	સ્ટોર કીપર	યુનિવર્સિટી કાર્યાલય
૧૩.	શ્રી મહેશકુમાર કાન્તિલાલ સથવારા	મેશન	એસ્ટેટ વિભાગ
૧૪.	શ્રી રમણભાઈ શનાભાઈ પરમાર	ડ્રાઈવર	એસ્ટેટ વિભાગ
૧૫.	શ્રી વિઠ્ઠલભાઈ જેસીંગભાઈ સોલંકી	સ્વીપર	એસ્ટેટ વિભાગ

Departments in News

- અનુસ્નાતક સંસ્કૃત વિભાગમાં તા. ૧૦-૭-૨૦૧૭ના રોજ વિભાગના અધ્યક્ષ પ્રો. ડૉ. નિરંજન પટેલના માર્ગદર્શન હેઠળ ગુરુપૂર્ણિમા નિમિત્તે ગુરુપૂર્ણિમા મહોત્સવ વિભાગના અધ્યાપકો તથા વિદ્યાર્થીઓ દ્વારા યોજાયો હતો. આ મહોત્સવમાં વિદ્યાર્થીઓએ સક્રિય ભાગ લીધો હતો. કાર્યક્રમમાં વિભાગના અધ્યક્ષએ વિદ્યાર્થીઓને જીવનમાં ગુરુની મહત્તા અંગે જાણકારી આપી શુભેચ્છાઓ પાઠવી હતી તથા વિદ્યાર્થીઓએ વક્તવ્ય રજૂ કર્યાં હતાં.
- ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર અને અનુસ્નાતક સંસ્કૃત વિભાગના સંયુક્ત ઉપક્રમે તા. ૭ અને ૮ ફેબ્રુઆરી ૨૦૧૭ના રોજ “સંસ્કૃત વાક્યમયમાં જીવનની ગુણવત્તા અંગેનો વિમર્શ” વિષયક દ્વિદિવસીય રાષ્ટ્રીય સેમિનાર યોજાયો. સેમિનારની ઉદ્ઘાટન બેઠકમાં આપણી યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો.ડૉ. શિરીષ કુલકર્ણી (સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી, વલ્લભવિદ્યાનગર) અધ્યક્ષ તરીકે ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. બીજરૂપ વક્તવ્ય આપતાં પ્રો. ડૉ. કેદાર નારાયણ જોશી (નિવૃત્ત પ્રોફેસર, સંસ્કૃત વિભાગ, વિક્રમ યુનિવર્સિટી, ઉજ્જૈન)એ કહ્યું કે વિશ્વમાં ૩૦૦૦ કરતાં વધુ ભાષા છે તે બધી ભાષામાં સંસ્કૃત સૌથી પ્રાચીન તથા સર્વ ભાષાની જનની છે.
- અનુસ્નાતક સંસ્કૃત વિભાગમાં તા. ૨૧-૨-૨૦૧૭, મંગળવારના રોજ આંતરરાષ્ટ્રીય માતૃભાષાદિવસ અંતર્ગત કવિશ્રી મણિલાલ હ. પટેલના વ્યાખ્યાનનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. કવિએ માતૃભાષાનું મહત્વ જુદી જુદી વાર્તાઓ દ્વારા બતાવ્યું હતું અને માતૃભાષામાં જે અભિવ્યક્તિ થાય છે તે અન્ય ભાષામાં થતી નથી. ભાવ અને સંવેદનાને માતૃભાષામાં સરળતાથી રજૂ કરી શકાય છે. આ પ્રસંગમાં વિભાગના અધ્યાપકો અને વિદ્યાર્થીઓ રસપૂર્વક ભાગ લીધો હતો.
- અનુસ્નાતક શિક્ષણશાસ્ત્ર વિભાગમાં ‘સંવાદપૂર્ણ જીવન’ અંગે પ્રેરણાત્મક કાર્યક્રમનું આયોજન તા. ૨૧-૧-૨૦૧૭ના રોજ કરવામાં આવ્યું હતું. આ કાર્યક્રમના વક્તા ડૉ. વિરેનભાઈ પટેલ હતા. તેઓએ માનસિક વિકાસ માટે મગજની સભાન અવસ્થા અને અર્ધજાગૃત અવસ્થાનું મહત્વ જુદાં જુદાં ઉદાહરણો, વાર્તા- કથન અને નિદર્શન કરી સમજાવ્યું હતું. આ સાથે તેઓએ ‘મનની સિદ્ધિ’ વિશે પણ વિગતે ચર્ચા કરી હતી.
- Corporation Bank Chair in Management (MBA Programme) in association with Junior Chamber International - Vallabh Vidyanagar organized Inter Postgraduate Department's Debate Competition on "Will Demonetization lead to Eradication of Black Money in India" on 16th February 2017 at MBA Department Auditorium. Total 19 students participated in this competition, Postgraduate students of Hindi, Psychology, Political Science, Library and Information Science, Business Studies (Commerce) and Business Management participated in competition. Mr. Ashish Trivedi - Editor Divya Bhaskar and Mr. Jigar Solani - Industrialist and President of JCI VVN served as judge in this competition. The first prize was won by Hemali parikh, Second prize by Dipak Rathod and third prize was secured by Shruti Bhatt. Participation certificates were given to all participants. The programme was coordinated by Prof. Raju Rathod, Chairperson of Corporation Bank Chair in Management and project director Jc Rajni Patel - Entrepreneur having factory in Vithal Udyognagar GIDC.

Research' Corner

The following teacher have been granted the financial assistance for their research projects under University seed Grant Money.

Name of the Teacher	Research Project's Title	Amount Sanctioned
Nishrin Pathan SEMCOM	"Design and Development of Android-based/accessible Content and language Intergrated Learning (CLIL) System Professional Courses affiliated to Sardar Patel Univeristy"	25000/-
Dr. Rajiv Z. Bhatti VP & RPTP Science College	"Studies of Avian diversityand seasonal abundance at the Pariej and Kanewal - The wetlands of National Importance" (Zoology)	50000/-
Dr. Medha K. Patel (PI) VP & RPTP Science College	"Studies of morphological and phylogenic divergence in Orb weaving spiders (Araneidae) from the Kanewal (Anand) the wetlands of national importance" (Zoology)	57000/-
Dr. Vipul Kataria VP & RPTP Science College	"Synthesis and Biological Evaluation of Pyridine and Pyrimidine related heterocycles as potential anti-tubercular agents" (Chemistry)	70000/-
Dipali Gandhi Waymade College of Educatin	"Enhancing Understanding of Science through construcatinish Pedagogies"	57000/-

શીલ શ્રુતમ્

શીલ શ્રુતમ્
સર્વોચ્ચ શિક્ષણીય સંસ્થાઓ
સહયોગે શીલ શ્રુતમ્ સંપાદક મંડળ દ્વારા

University
Departments
Colleges
Research
Centres
Faculty
Members
Students

PARTICIPATION IN GRAND EDUCATION FAIR 2017

BCU and Gujarat University had organized Grand Education Fair on 11, 12 and 13 June 2017 at Gujarat University Exhibition Hall. The basic objectives of this fair were to provide platform to the students which allow them to gain informed decisions for pursuing further studies and setting up professional careers in their own country and internationally. In this Education Fair approximately 600 Universities, 300 Colleges and 10 International Educational Institutions participated.

Sardar Patel University took active part in Grand Education Fair 2017 with well decorated stall. Our university was allotted full meter space in which we displayed information about our university using banners, brochures and other visual aids. Out of all visitors approximately 2000 students and parents visitors visited our stall and inquired about progression of our University. Representatives of our University gave satisfactory answers to their queries and questions relating to admissions, fee structure, eligibility, admission procedure etc. Representatives also explained achievements of our University to the visitors and made them aware about GPU culture. Our teacher team will appreciate their visit.

સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી દ્વારા પ્રકાશિત થતા વૃત્તપત્ર 'શીલ શ્રુતમ્'ના સંપાદકમંડળની સભા કુલપતિશ્રીની અધ્યક્ષતામાં મળી હતી. સદર સભામાં થયેલી ભલામણો અન્વયે યુનિવર્સિટી સંલગ્ન તમામ કોલેજો અને અનુસ્નાતક ભવનોમાં થતી શૈક્ષણિક પ્રવૃત્તિઓ તથા સમાજ ઉપયોગી વિવિધ પ્રવૃત્તિઓને સમાચાર રૂપે આવરી લેવા તમામ કોલેજોના આચાર્યશ્રીઓને તથા અનુસ્નાતક ભવનોના વડાશ્રીઓને તે અંગેનો ટૂંકો અહેવાલ યુનિવર્સિટીના જનરલ વિભાગને e-mail દ્વારા ફક્ત .PDF અને .JPG File સ્વરૂપે sheelshrutam@spuvvn.eduથી કમ્પ્યુટર નકલ અને પ્રમાણિત કરેલી મુદ્રિત નકલ પ્રતિમાસની ૧૫મી તારીખ પહેલા મોકલી આપવા વિનંતી. શીલ શ્રુતમ્ નું સંપાદક મંડળ મળેલા અહેવાલોને યોગ્ય સ્વરૂપે સંપાદિત કરીને પ્રકાશિત કરશે.

'શીલ શ્રુતમ્'ને યુનિવર્સિટીની વેબસાઈટ

www.spuvvn.edu/academics/publications/

ઉપર સૌ વાંચી શકે છે.

Colleges in News

- સરદાર પટેલ એજ્યુકેશન ટ્રસ્ટ દ્વારા સંચાલિત સી.પી. પટેલ એન્ડ એફ.એચ. શાહ કોમર્સ કોલેજ તરફથી દર વર્ષની જેમ ચાલુ વર્ષે શ્રીમદ્ રાજચન્દ્ર મિશન, ધરમપુરના સહયોગથી તેમજ સંસ્થાપક ગુરુદેવશ્રી રાકેશભાઈની પ્રેરણાથી રાહતદરે શૈક્ષણિક સાધનસામગ્રીનું વિતરણ અંગે ઉદ્ઘાટન કાર્યક્રમ કલેક્ટરશ્રી ડૉ. ધવલ પટેલના હસ્તે યોજવામાં આવેલ.
- Smt. Kamlaben P. Patel Institute of Physiotherapy and Occupational Therapy, managed by Anand People's Medicare Society, celebrated awareness programme on World Cancer Day on 4th February 2017. On this occasion, a drawing competition on "Awareness of Cancer" was organised. More than 25 students of Occupational Therapy participated in the competition.
- નટુભાઈ વી. પટેલ સાયન્સ કોલેજમાં વીમીનસેલ દ્વારા એક સેલ્ફ ડિકેન્સ ટ્રેનિંગ પ્રોગ્રામનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. વિદ્યાનગર સ્થિત પ્રતિભા એકેડેમીના સાથ સહકાર દ્વારા આ કાર્યક્રમમાં કોલેજની ૪૫ જેટલી વિદ્યાર્થીનીઓએ ઉત્સાહભરે ભાગ લીધો હતો.
- શ્રી રામકૃષ્ણ સેવામંડળ સંચાલિત આણંદ એજ્યુકેશન કોલેજ, આણંદની ૧૦ તાલીમાર્થી બહેનોએ આણંદ કલેક્ટર અને જિલ્લા ચૂંટણી અધિકારી કચેરી દ્વારા 'યુવા મતદાર મહોત્સવ ૨૦૧૬' અંતર્ગત જિલ્લા કક્ષાએ નિબંધસ્પર્ધામાં ભાગ લીધેલ હતો, જેમાં ઈશાબેન રોહિતકુમાર પટેલે તૃતીય વિજેતાનું સ્થાન મેળવ્યું છે. તા. ૨૫મી જાન્યુઆરી રાષ્ટ્રીય મતદાર દિવસ ઉજવણી કાર્યક્રમ સ. પ. વિનયમંદિર, ઓડ ખાતે કુ. ઈશાબેન પટેલનું નાયબ કલેક્ટરશ્રીના હસ્તે પ્રમાણપત્ર તથા રૂ. ૧૦૦૦ રોકડ પુરસ્કારનો चेक આપી સન્માન કરવામાં આવ્યું.
- ચારુતર વિદ્યામંડળ સંચાલિત વલ્લભવિદ્યાનગરની એન.વી. પટેલ સાયન્સ કોલેજે તાજેતરમાં સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી દ્વારા આયોજિત આંતર-કોલેજ બોડી બિલ્ડિંગ (ભાઈઓ) સ્પર્ધામાં સમગ્ર યુનિવર્સિટીમાં પ્રથમ વિજેતાપદ હાંસલ કર્યું છે. સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી દ્વારા પ્રથમવાર જ યોજવામાં આવેલ આ સ્પર્ધા શ્રી પરીખ સાયન્સ કોલેજ, પેટલાદ ખાતે રમાડવામાં આવી હતી. આ સ્પર્ધામાં કોલેજના વિદ્યાર્થીઓ પ્રધુમ્ન છાસટિયાએ ૬૦ કિ.ગ્રા. શ્રેણીમાં પ્રથમ સ્થાન, મિત દત્તાણીએ ૬૦ કિ.ગ્રા. શ્રેણીમાં દ્વિતીય સ્થાન, તથા રાજ રાવતે ૬૫ કિ.ગ્રા. શ્રેણીમાં દ્વિતીય સ્થાન પ્રાપ્ત કર્યું હતું.
- ચારુતર વિદ્યામંડળ સંચાલિત વલ્લભવિદ્યાનગરની એન.વી. પટેલ સાયન્સ કોલેજ તાજેતરમાં સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી દ્વારા આયોજિત આંતર-કોલેજ વેઈટ-લિફ્ટિંગ સ્પર્ધામાં સમગ્ર યુનિવર્સિટીમાં ચેમ્પિયન બની છે. સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી દ્વારા પ્રથમવાર જ આયોજિત આ સ્પર્ધા શ્રી પરીખ સાયન્સ કોલેજ, પેટલાદ ખાતે રમાડવામાં આવી હતી. આ સ્પર્ધામાં કોલેજના વિદ્યાર્થીઓ પ્રધુમ્ન છાસટિયાએ ૬૨ કિ.ગ્રા. શ્રેણીમાં પ્રથમ સ્થાન મિત દત્તાણીએ ૫૬ કિ.ગ્રા. શ્રેણીમાં દ્વિતીય સ્થાન, ન્યારે રાજ રાવતે ૬૯ કિ.ગ્રા. શ્રેણીમાં દ્વિતીય સ્થાન હાંસલ કરેલ.
- સરદાર પટેલ એજ્યુકેશન ટ્રસ્ટ સંચાલિત એન.એચ. પટેલ કોલેજ ઓફ એજ્યુકેશન, આણંદમાં જી.એસ.ટી.ની સમજ મળી રહે તે માટે કોલેજમાં પ્રા. સુભાષભાઈ મકવાણાના વ્યાખ્યાનનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું.
- ચારુતર વિદ્યામંડળ દ્વારા સંચાલિત નટુભાઈ વી. પટેલ કોલેજ ઓફ ખ્યોર એન્ડ એપ્લાઈડ સાયન્સિસ, વલ્લભવિદ્યાનગરમાં કોલેજની ફિલ્મ ક્લબ દ્વારા 'ડીમોનીટાઈઝેશન' વિષય ઉપર એક દસ્તાવેજી ફિલ્મનું નિદર્શન

કરવામાં આવ્યું હતું, જેમાં ૮૦ જેટલા વિદ્યાર્થીઓએ ઉત્સાહભરે ભાગ લીધો હતો. આ દસ્તાવેજ ફિલ્મ નિદર્શન કરવાનો મુખ્ય હેતુ તાજેતરમાં ભારતમાં કરવામાં આવેલા નાણાંબંધીથી અર્થવ્યવસ્થા ઉપર થતી અસરોથી વિદ્યાર્થીઓને વાકેફ કરી રોકડ વિનાના નાણાકીય વ્યવહાર તરફ વાળવાનો હતો. દસ્તાવેજ ફિલ્મ નિદર્શન બાદ ફિલ્મ કલબના સેક્રેટરી વિજય ઠક્કરે નોટબંધી વિષય ઉપર રસપ્રદ રજૂઆત કરી હતી. એમાં નોટબંધીનો ભારતમાં ઇતિહાસ, ફાયદા, ગેરફાયદા, તેના જરૂરિયાત, નોટબંધી અને વિશ્વના દેશો, કેશલેસ ચૂકવણી કરવાની એપ્સ, વગેરે મુદ્દાઓને આવરી લીધા હતા.

- ચારુતર વિદ્યામંડળ સંચાલિત વલ્લભવિદ્યાનગરની એન.વી. પટેલ સાયન્સ કોલેજમાં રમતગમત વિભાગ દ્વારા તાજેતરમાં એક વોલીબોલ સ્પર્ધાનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. કોલેજના વિવિધ વર્ગોના વિદ્યાર્થીઓ વચ્ચે રમાડવામાં આવેલ આ સ્પર્ધામાં કુલ ૮ ટીમોએ ભાગ લીધો હતો. આ સ્પર્ધામાં ફાઈનલ મેચ એસ.વાય.બી.એસસી. કેમેસ્ટ્રી વર્ગ તથા એફ.વાય.બી.એસસી. ડીવીઝન ઈ વચ્ચે રમાઈ હતી. જેમાં કેમેસ્ટ્રી વિષયના વિદ્યાર્થીઓની ટીમનો વિજય થયો હતો.
- સરદાર પટેલ એજ્યુકેશન ટ્રસ્ટ દ્વારા સંચાલિત સી.પી. પટેલ એન્ડ એફ.એચ.શાહ કોમર્સ કોલેજમાં Techforce Infotech કંપનીના પ્લેસમેન્ટનું આયોજન કરવામાં આવ્યું. કંપનીમાંથી હાજર રહેલા શ્રી ભાવિન સાહ (ટીમ લીડર) દ્વારા વિદ્યાર્થીઓનું લેખિત તથા મૌખિક ઈન્ટરવ્યુ લેવામાં આવેલ જેમાં લગભગ ૪૭ જેટલા વિદ્યાર્થીઓએ ઉત્સાહપૂર્વક ભાગ લીધો અને જેમાંથી ૨૨ જેટલા વિદ્યાર્થીઓને કંપની દ્વારા નોકરી આપવામાં આવી.
- ચારુતર વિદ્યામંડળ સંચાલિત નલિની-અરવિંદ એન્ડ ટી.વી. પટેલ આર્ટ્સ કોલેજના રાજ્યશાસ્ત્ર અને ઇતિહાસ વિભાગના વિદ્યાર્થીઓએ તાજેતરમાં અડાલજ, ગાંધીનગર-વિધાનસભા અને અક્ષરધામની મુલાકાત લીધી હતી. ગુજરાતની વાવોના સ્થાપત્યમાં મોખરાનું સ્થાન ધરાવતી અડાલજની વાવની મુલાકાત લીધી હતી. એ અંગે ઇતિહાસ વિભાગના અધ્યક્ષ ડૉ. વી. બી. તળપદાએ એ સ્થાપત્ય અને એના ઇતિહાસ વિશે માહિતી આપી હતી. ત્યાંથી ગુજરાત રાજ્યની વિધાનસભાની મુલાકાતે વિદ્યાર્થીઓને લઈ જવાયા હતા, જ્યાં અંદાજપત્ર સત્ર ચાલુ હોવાથી, ચાલુ વિધાનસભા દરમ્યાનની કામગીરી વિદ્યાર્થીઓને જોવા મળી હતી, જે અંગે રાજ્યશાસ્ત્ર વિભાગના અધ્યક્ષ ડૉ. બી.એમ. પરમારે વિધાનસભાની રચના, ઇતિહાસ અને કામગીરીથી વિદ્યાર્થીઓને વાકેફ કર્યા હતા. વિધાનસભાની મુલાકાત લઈ ગુજરાત આધ્યાત્મિક ક્ષેત્રે મહત્વનું સ્થાન ધરાવતા અક્ષરધામની મુલાકાતે લઈ જવાયા હતા.
- ચારુતર વિદ્યામંડળ સ્થાપિત શ્રી ઈશ્વર પેટલીકર વ્યાખ્યાનમાળા અંતર્ગત તા. ૨૭-૨-૨૦૧૭ના રોજ 'લોકધર્મી પેટલીકર' વિષય પર નડિયાદ મહિલા આર્ટ્સ કોલેજના પ્રિ. ડૉ. હસિત મહેતાનું વ્યાખ્યાન યોજાયું. 'લોકધર્મી પેટલીકર' વિષય પર વક્તવ્ય આપતાં ડૉ. હસિત મહેતાએ કહ્યું કે પેટલીકર જન્મે પટેલ, કર્મે વૈશ્ય અને પ્રવૃત્તિએ બ્રાહ્મણ. માનવને જ ઈશ્વર સમજવો, માનવસેવા એ જ કર્મમાં માનનાર પેટલીકરે લોકધર્મી તરીકે સમાજ માટે કેવા કાર્યો કર્યા હતા તે અંગેના પ્રસંગો ટાંકીને વિગતે વાત કરી.
- ચારુતર વિદ્યામંડળ સંચાલિત નલિની-અરવિંદ એન્ડ ટી.વી. પટેલ આર્ટ્સ કોલેજના રાજ્યશાસ્ત્ર વિભાગ અંતર્ગત ભાજપ ટ્રેનિંગ સેલના કન્વીનર શ્રી રાજેશભાઈ પટેલનું 'રાજકારણ અને યુવાનો' વિષય પર વ્યાખ્યાન યોજાયું હતું. શ્રી રાજેશભાઈએ પોતાના વ્યાખ્યાનમાં સાંપ્રત સમયમાં ભારતની રાજકીય પરિસ્થિતિમાં યુવાનો કેવી રીતે રાષ્ટ્રની ધુરા સંભાળીને એક મહાન રાષ્ટ્ર બનાવી શકે તે પર વ્યાખ્યાન આપ્યું હતું.
- ચારુતર વિદ્યામંડળ સંચાલિત નલિની-અરવિંદ એન્ડ ટી.વી. પટેલ આર્ટ્સ કોલેજમાં રાજ્યશાસ્ત્ર વિભાગના ઉપક્રમે જમ્મુ-કાશ્મીર અધ્યયન કેન્દ્ર, દિલ્હીના ડાયરેક્ટર ડૉ. આશુતોષ ભટ્ટનાગરનું 'કાશ્મીર સમસ્યા અને સમાધાન' પર એક વ્યાખ્યાન યોજાયું. ભટ્ટનાગરે પોતાના વ્યાખ્યાનમાં જમ્મુ-કાશ્મીર અંગે આપણા સમાજમાં જે ગેરસમજો છે તેને દૂર કરીને કહ્યું હતું કે, મોટાભાગનું કાશ્મીર તો શાંત છે. જે તોફાનો થાય છે તે ચાર-પાંચ જિલ્લા પૂરતા જ છે. તેમજ આ સમસ્યાનો સમાધાનકારી ઉકેલ પણ તેમણે બતાવ્યો હતો. સમગ્ર સમસ્યાનો તેમણે ચિતાર આપ્યો હતો.

વિનયન

- | | | |
|---|--|-------------|
| - નલીની અરવિંદ એન્ડ ટી.વી. પટેલ
આર્ટ્સ કોલેજ | - સંસ્કૃત અને સંસ્કૃતિ વિષય પર
એક દિવસીય સેમિનાર | તા. ૨૫-૨-૧૭ |
| - આર્ટ્સ, સાયન્સ એન્ડ આર.એ. પટેલ
કોમર્સ કોલેજ, ભાદરણ | - ૫૮મો વાર્ષિક રમતોત્સવ ઉજવાયો | -- |
| | - અનામત વિશે ચર્ચાસ્પર્ધા | -- |
| | - પોસ્ટરમેકિંગ સ્પર્ધા | -- |
| | - યોગાસનનું પ્રત્યક્ષ નિદર્શન | તા.૨૧-૬-૧૬ |
| | - અંતાક્ષરીનું આયોજન | તા.૨૧-૭-૧૬ |
| | - વર્ષાકાવ્યોની રજૂઆત | તા.૫-૮-૧૬ |
| | - સંસ્કૃત મ્લોકગાન સ્પર્ધા | તા.૬-૮-૧૬ |
| | - ઈન્ડિયન કલાસિકલ ડ્રામા અને લાઈફ મેનેજમેન્ટ
પર વક્તવ્ય - શ્રી દેવલભાઈ શાસ્ત્રી | તા.૧૩-૮-૧૬ |

વાણિજ્ય

- | | | |
|---|--|------------|
| - સી.પી. પટેલ એન્ડ એફ.એચ. શાહ
કોમર્સ કોલેજ, આણંદ | - વિશ્વપર્યાવરણ દિવસની ઉજવણી | તા. ૫-૬-૧૭ |
| | - ગ્રંથાલયમુલાકાત | તા.૨૨-૬-૧૭ |
| | - વ્યાખ્યાન : યોગ એક જીવન જીવવાની કળા
વક્તા: અલ્પેશભાઈ શાહ અને હિમાંશુભાઈ | તા.૨૬-૬-૧૭ |
| | - રાષ્ટ્રવંદના કાર્યક્રમ | -- |
| - આણંદ કોમર્સ કોલેજ, આણંદ | - બી.કોમ./બી.બી.એ.માં અભિમુખતા કાર્યક્રમ | -- |
| | - આંતરરાષ્ટ્રીય યોગદિનની ઉજવણી | તા.૨૧-૬-૧૭ |

વિજ્ઞાન

- | | | |
|---|---------------------------------------|----|
| - નટુભાઈ વી. પટેલ કોલેજ ઓફ ધ્યોર એન્ડ
એપ્લાઈડ સાયન્સિસ, વલ્લભવિદ્યાનગર | - મશરુમ સંવર્ધન અંગેની તાલીમનું આયોજન | -- |
|---|---------------------------------------|----|

શિક્ષણ

- એમ.બી. પટેલ કોલેજ ઓફ એજ્યુકેશન વલ્લભવિદ્યાનગર	- યોગ દિનની ઉજવણી	તા. ૨૧-૬-૧૭
	- ગુરુપૂર્ણિમાની ઉજવણી	તા. ૮-૭-૧૭
	- કાવ્યગાન અને કાવ્યપઠનસ્પર્ધા	તા. ૨૦-૭-૧૭
	- રાષ્ટ્રવંદના કાર્યક્રમ વક્તા : ધર્મેન્દ્રભાઈ પાઠક	
	- માતૃભાષા દિનની ઉજવણી	તા. ૨૧-૭-૧૭
	- વાર્ષિકોત્સવ	તા. ૨૭-૨-૧૭
- આણંદ એજ્યુકેશન કોલેજ, આણંદ	- યોગદિવસની ઉજવણી	તા. ૨૧-૬-૧૭
	- રાષ્ટ્રવંદના કાર્યક્રમ	તા. ૨૫-૧-૧૭
	- માતૃભાષા દિનની ઉજવણી	તા. ૨૧-૭-૧૭
	- પુસ્તક સમીક્ષા કાર્યક્રમ	તા. ૨૧-૨-૧૭
	- બાંધણી વર્કશોપ કાર્યક્રમ	તા. ૧૬-૨-૧૭
	- ગાંધીનિર્વાણ દિન નિમિત્તે કાર્યક્રમ	તા. ૩૧-૧-૧૭
	- આવકાર અને શુભેચ્છા કાર્યક્રમ	તા. ૧૨-૬-૧૭
	- અભિમુખતા કાર્યક્રમ	તા. ૧૨-૬-૧૭
	- પ્રદર્શનની મુલાકાત	તા. ૧૬-૬-૧૭
	- યોગતાલીમ શિબિર	તા. ૧૭-૬-૧૭
- એન. એચ. પટેલ કોલેજ ઓફ એજ્યુકેશન, આણંદ	- સપ્તધારા ઉદ્ઘાટન કાર્યક્રમ	તા. ૭-૭-૧૭
	- થેલિસિમિયા અને જનરલ મેડિકલ ચેકઅપ	--
	- યોગદિનની ઉજવણી	તા. ૨૧-૬-૧૭
	- ત્રિદિવસીય શિબિરનું આયોજન (વ્યાયામ-યોગ-ખેલકૂદ ધારા)	તા. ૧૭-૬-૧૭
	- ત્રિદિવસીય યોગ શિબિરનું આયોજન	--
	- સપ્તધારા અભિમુખતા કાર્યક્રમ	--
	- થેલેસેમિયા અને જનરલ મેડિકલ ચેકઅપ	તા. ૭-૭-૧૭
	- રાષ્ટ્રીય વિજ્ઞાન દિવસની ઉજવણી	--
	- આંતરરાષ્ટ્રીય મહિલા દિનની ઉજવણી	--
	- વાર્ષિકોત્સવ	--
	- 'કલાઈમેટ ચેન્જ પ્રદર્શન'ની મુલાકાત	--

Teachers' Corner

- **Dr. K. S. Prasad**, Sr. Professor, MBA Department was invited as an Expert speaker on "Global Image of India : Past Present & Future" organized by University of Mumbai on 22nd July 2017.
- **Prof. Raju Rathod** and **Prof. Yagnesh Dalvadi** presented case titled "Enhancing and Exploring Humnan Resources in Hospital Services : Issues and Solution" which was based on behavioural training programme they have been conducting at Krishna Medical Hospital, Karamsad for last two years. Global Summit on Management Case has been organised by Indian Institute of management on 10-11 February 2017. They also got an opportunity to interact with the famous author Prof. Prasanna Chandara who wrote well known text books of Finance Management and Project Management. They also visited Indian Institute of Technology (IIT Raipur Bilaspur Campus) and IIM Raipur campus and interacted with the faculty. At IIT Raipur they visited 3D Laboratory of Institute.
- **Dr. Yogesh Joshi** and **Flaguni Pandya's** research paper entitled "Impact of fiscal Incentives on SEZ's Performance in Gujarat" was selected for the "Dadabhai Navroji prize for year 2015-16.
- **Prof. Jayprakash M. Trivedi Completes 50 NAAC PEER Team Visits :**

On completion of his NAAC Peer Team Visit to Ranchi University, Ranchi (Jharkhand state) held on 17-19, April-2017, Prof. Jayprakash M. Trivedi (Department of Sociology) has so far undertaken total fifty NAAC Peer Team visits to Higher educational Institutions spread over 19 states of India. These visits include both colleges and Universities accredited for First (33), Second (12) and Third circle (05). In these NAAC Peer Team Visits, Prof. Trivedi has worked in capacity of member-coordinator (36), member (11) and Chairperson (03). Prof. Trivedi has also participated as Chairperson in several AAA Visits organized by K.C.G. Govt. of Gujarat. Recently he has been recommended for his inclusion in AAA Team for visits to be organized in Maharashtra state by Govt. of Maharashtra.

Prof. Trivedi has been also appointed and working as UGC expert in the Advisory committee for centre with potential for excellence on Rural Development in backward district of Marathawada functioning in Dr. Babasaheb Ambedkar Marathawada University, Aurangabad, Maharashtra.

Students' Corner—

પર્વતારોહણ (હિમાચલ પ્રદેશ)

સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીના શારીરિક શિક્ષણ વિભાગ દ્વારા પ્રતિવર્ષ પર્વતારોહણ સાહસિક તાલીમ શિબિરનું આયોજન મેકલોડગંજ, ધરમશાલા(હિમાચલ પ્રદેશ) ખાતે કરવામાં આવે છે. 30 વિદ્યાર્થી ભાઈ-બહેનોમાં આ વર્ષે મારી પણ પસંદગી થઈ હતી. અમારી સાથે સંયોજક તરીકે શારીરિક શિક્ષણ વિભાગના શ્રી રકેશભાઈ પટેલ અને શ્રી એમોન્સ ક્રિસ્ટી તથા શ્રીમતી કપીલાબેન રાવળ આવ્યા હતાં. તા. ૧૯-૫-૨૦૧૭ થી તા.૩૧-૫-૨૦૧૭ દરમિયાન અમે આ શિબિરમાં ગયેલા.

ધરમશાલામાં આવેલા રિજનલ માઉન્ટેનિયરિંગ સેન્ટર, મેકલોડગંજમાં અમારે રોકાવાનું થયું હતું. પ્રથમ બે દિવસ સુધી અમને અહીં જ પર્વતારોહણ અંગેની તાલીમ આપવામાં આવી એ પછી ત્રીજા દિવસે અમે મુખ્ય હેતુ સાધવા-પર્વતારોહણ માટે નીકળ્યા...

પર્વતારોહણ એ અમારી પાંચ દિવસની પહાડીસફર હતી, જે ચાલીને જ પૂર્ણ કરવાની હતી. પ્રથમ દિવસે અમે ઘેરા રોકાયા હતા. બીજા દિવસે રીમ્પોટી પર પડાવ નાખ્યો અને ત્રીજા દિવસે અમે કરેલી લેક પહોંચ્યા હતા. ત્યાંથી મધ્ય હિમાલયની ઘોળાધાર પર્વતમાળા સામી દેખાતી હતી. તેના પર બરફ હતો. અમને છેક ત્યાં સુધી લગભગ ૧૨૦૦૦ ફીટ ઊંચાઈ પર લઈ ગયા હતા. બરફને સ્પર્શી સૌ આનંદિત થયા. અમે સૌએ ત્યાં બરફ પર યુનિવર્સિટી ગીત અને રાષ્ટ્રગીતનું ગાન કર્યું હતું. આ પછી અમારે અવરોહણ કરવાનું હતું. એટલે રીઓટીના પડાવ પર રાત્રી રોકાયા બાદ ચોથા દિવસે ફરી પાછા ઘેરા રોકાયા હતા. આ દરમિયાન અમારા ભોજનની વ્યવસ્થા અમારી સાથે જ હતી. પર્વતો પર વીજળી, મોબાઈલ નેટવર્ક, વગેરેનો પણ અભાવ હતો.

પાંચમા દિવસે નદી કાંઠે લઈ જઈ અમને નદી ઓળંગતાં શિખવવામાં આવ્યું. ઘેરામાં હતા ત્યારે આપણી યુનિવર્સિટીના કુલસચિવશ્રી રામસિંહ રાજપૂત અમને મળવા માટે આવ્યા હતા. એમણે બધી વ્યવસ્થા જોઈ તપાસી અમારી ક્ષેમકુશળતા પૂછી હતી.

શિબિરના અંતિમ દિવસે એક નાનકડો સાંસ્કૃતિક કાર્યક્રમ પણ રાખ્યો હતો, જેમાં અમને પ્રમાણપત્ર અપાયાં અને બિહો પહેરાવાયો. એ સંસ્થાના સંચાલિકા ડૉ. અનુજાએ પ્રાસંગિક ઉદ્બોધન કર્યું. અમે જે પહાડીઓ સર કરી તે સિદ્ધિના અમારા માર્ગદર્શક તરીકે શ્રી સોમદલ અને સુશ્રી સાક્ષી પણ કાર્યક્રમમાં ઉપસ્થિત હતાં.

શિબિર પછીના દિવસે એક દિવસ અમે સ્વપ્ન્યે જ્વાલા દેવી મંદિર, ચામુંડા મંદિર અને નોરબલિકા સંસ્થામાં ફરવા ગયેલા તથા એશિયામાં સૌંદર્યની બાબતમાં જેને પ્રથમ ક્રમાંક છે એવું ધરમશાલા ક્રિકેટ સ્ટેડિયમ પણ જોયું. અહીં પહાડીઓ વિશેષ હોવાથી ચીજવસ્તુઓ બહુ મોંઘી મળતી હતી.

આમ અમે ૩૩ જણના પરિવારે ખૂબ જ આનંદ અને અઢળક નવા અનુભવો સાથે પ્રાકૃતિક સૌંદર્યનો લહાવો લઈ પર્વતારોહણ તાલીમ શિબિર નિર્વિઘ્ને પૂર્ણ કરી. અમારું જૂથ અમને કાયમ યાદ રહેશે. અમને આવી સુંદર તક પૂરી પાડવા બદલ સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીનો અને અમને સહન કરવા બદલ અમારા સંયોજકોનો ખૂબ ખૂબ આભાર. આવી તક અન્યોને પણ સાંપડે એવી પ્રાર્થના સહ...

- રજનીકુમાર જયંતિભાઈ પરમાર
અનુસ્નાતક ગુજરાતી વિભાગ
સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી

મારી યાત્રા

સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી દ્વારા પ્રત્યેક વર્ષ પચીસ વિદ્યાર્થીઓને શ્રી અરવિંદ દર્શન અધ્યયન શિબિરમાં પોંડિચેરી લઈ જવામાં આવે છે. આ શિબિર સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી અને શ્રી અરવિંદ ચેર ઓફ ઈન્ટિગ્રલ સ્ટડીઝના સંયુક્ત ઉપક્રમે યોજવામાં આવે છે.

આ વર્ષ (૨૦૧૭)માં શ્રી માતાજી અને શ્રી અરવિન્દની કર્મભૂમિમાં જવાની તક મળી હતી. આ યાત્રા તા. ૨૬-૬-૨૦૧૭ થી ૮-૭-૨૦૧૭ સુધી હતી. જે સમયની છેલ્લાં બે વર્ષથી રાહ જોઈ રહ્યો હતો તે પળો આવી અને મારી અભીપ્સા સંતોષાઈ.

શ્રી માતાજીના સાંનિધ્યમાં જતાં પહેલાં મારો 'આશ્રમ' પ્રત્યેના ખ્યાલ માત્ર આશ્રમ જ હતો. પરંતુ ત્યાં પહોંચ્યા ત્યારે મારી ભ્રમણા તૂટી ગઈ. આશ્રમનાં કોઈપણ બંધનો નહીં, નહીં કંઠી, નહીં ભભૂત. માત્ર હૃદયથી જ આપણી જાતને સમર્પણ કરવાનું. આશ્રમની ભૂમિમાં મારા મનને ત્રણ વસ્તુઓ સ્પર્શી ગઈ: શાંતિ, સમાધિ અને શિસ્ત.

આશ્રમના કેન્દ્રસ્થાને સમાધિ છે ત્યાં જઈને શીશ નમાવીએ તે સમયે કોઈ બાળકને પોતાની માતાના ખોળામાં જેવો આનંદ થાય, શાંતિ મળે તેવી જ અનુભૂતિ મને થઈ. સમાધિ એ જતાં જ મન પ્રકુચિત થઈ જાય. આ પ્રકારની ઘણી અનુભૂતિ થઈ જે કહેવાથી નહીં પણ અનુભવવાથી સમજી શકાય. જ્યાં સ્વતંત્રતા છે, ત્યાં તેટલી પ્રમાણમાં સ્વયંશિસ્ત પણ જોવા મળે છે. જેમ કે, ભોજન વ્યવસ્થામાં.

મેં 'તોત્તોચાન' નવલકથામાં મુક્ત શિક્ષણપ્રણાલી વાંચેલી, જે પોંડિચેરીમાં પ્રત્યક્ષ રીતે જોઈ તેથી મારા આશ્ચર્યનો પાર ન રહ્યો, આ શિક્ષણવ્યવસ્થામાં બાળકનો સંપૂર્ણ વિકાસ થાય છે. તે ઈચ્છે તે વિષયમાં અને કળામાં જોડાઈને પોતાનો વિકાસ સાધી શકે છે. કારણ કે, ત્યાંની વ્યવસ્થામાં પરીક્ષા લેવામાં આવતી જ નથી.

આ યાત્રાનું મૂળ કાર્ય તો પોંડિચેરી જઈને 'મા' પુસ્તકનું અધ્યયન કરવાનું હતું. આ પુસ્તકમાં મા ભગવતીનાં ચાર સ્વરૂપ અને માતાજીનાં પ્રતીકનાં ગુણો અને રંગો વિશે પણ જાણવા મળ્યું હતું. આ ઉપરાંત સાથે-સાથે અમે કેટલાંક સ્થળોની મુલાકાત લીધી હતી, જેમાં માતૃમંદિર, માતાજીનું મ્યુઝિયમ, આશ્રમના વિવિધ વિભાગો, પ્લે ગ્રાઉન્ડ, સ્પોર્ટ્સ ગ્રાઉન્ડ, ઈન્ટરનેશનલ સ્કૂલ, નોલેજ કોલેજ અને પોંડિચેરીમાં આવેલ રાજનિવાસની પણ મુલાકાત લીધી હતી. એથી અમારા જ્ઞાનમાં વૃદ્ધિ અને ત્યાંનું મહત્ત્વ સમજાયું.

પોંડિચેરી જવા પાછળ મારી ઉત્કંઠા એ હતી કે રાજ્ય, લોકો, સંસ્કૃતિ, રહેણીકરણી જોવા મળે. આ જિજ્ઞાસા સંતોષાઈ. શ્રી માતાજી અને શ્રી અરવિન્દની તપોભૂમિમાં રહેવાનો મોકો મળ્યો. આ ભૂમિ મને 'માતૃભૂમિ' જેવી પ્રિય લાગી.

આ યાત્રાની યાદગાર પળોમાં કહેવું હોય તો, શ્રી અરવિન્દનો ખંડ, મારો જન્મદિવસ, અને મારાં વહાલાં ત્રીસ સાથી મિત્રોનો સંગાથ.

આ યાત્રાનો કાર્યભાર સંભાળનાર મહેશચંદ્ર યાજ્ઞિક અને નીપા બહેન ભરુચાને વંદન. જેમના થકી મને આ યાત્રા કરવાનો લ્હવો મળ્યો તે સર્વનો હૃદયથી ઋણી છું.

- ભરત એમ. બાંભણિયા
એમ.એ. સત્ર-૪
અનુસ્નાતક ગુજરાતી વિભાગ
સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી

શિબિર

વલ્લભવિદ્યાનગરમાં આવેલા શ્રી અરવિંદ સાધનાકેન્દ્રમાં તા. ૨૩-૪-૨૦૧૭, રવિવારના રોજ પોંડિચેરી શ્રી અરવિંદ દર્શન-અધ્યયન શિબિરમાં પસંદગી પામેલા ૨૫ વિદ્યાર્થીઓ માટે એક દિવસીય શિબિરનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. શિબિરનો હેતુ વિદ્યાર્થીઓમાં પોંડિચેરી જવા માટેની થોડી સમજ વિકસે એ હતો. સવારમાં સાડા નવ કલાકે શિબિર શરૂ થઈ હતી. ભાલેન્દુ વૈષ્ણવે 'ઉચ્છ્વાસે નિઃશ્વાસે' એ કવિ સુન્દરમ્ની પ્રાર્થના સૌને ગવડાવી. ત્યારબાદ દયાશંકર મિશ્રાએ - જીવન એટલે શું? એ અંગે વાત કરી, જેમાં યુવાવસ્થાના મહત્ત્વને સમજાવ્યું ઉપરાંત સાધના માટે ધ્યાન, મનન અને ચિંતનની જરૂરિયાત ગણાવી. ડૉ. ભાલેન્દુ વિદ્યાર્થીઓને સતત ચિંતનશીલ બનવા કહ્યું. શ્રી અરવિન્દના ઉત્તમ લખાણો સમું 'ધ મધર' પુસ્તક આ વખતે પોંડિચેરી શિબિરમાં સમૂહચર્ચા માટે રખાશે. પુસ્તક અંગે પરમ પાઠકે પ્રકરણ પ્રમાણે ચર્ચા કરી સમજ આપી. દસેક મિનિટના વિરામ બાદ શ્રી મહેશ યાજ્ઞિકે પથ, પથિક, પાથેય અને નિક્ષય - આ ચાર શબ્દો લઈને વિદ્યાર્થીઓને વિગતવાર વક્તવ્ય આપ્યું હતું. છેલ્લે બધા વિદ્યાર્થીઓને પણ પોંડિચેરી જવાની તેમની ઈચ્છાઓ અંગે બોલવા કહ્યું હતું. તથા પોંડિચેરી જઈ આવેલા કેટલાક વિદ્યાર્થીઓએ પોતાના પ્રતિભાવો આપ્યા. આ પછી વિભાષેન વૈષ્ણવે થોડીક વાતો કરી અને અંતમાં ડૉ. નીપાબેને પોંડિચેરી જઈને શું કાર્ય કરવાનું છે, કઈ પ્રવૃત્તિ કરીશું અને શિસ્ત તથા સંયમમાં રહીને શું ધ્યાનમાં રાખવું, વગેરે જેવાં સૂચનો કર્યાં હતાં. બરાબર એક વાગ્યે શિબિર પૂર્ણ થયા પછી સૌએ સાથે સમૂહભોજન કર્યું.

અમારી જિંદગી...

રસ્તા પર જતા હોય સાયબા તમે
ને, ઘુળ ઊડે તો મો પર રૂમાલ ઢાંકી લો છો.
અમારી સાથે ઘુળની વાત કરો છો,
અમારે તો, ઘરમાંયે ઘુળ ઊડે છે,
અમારી જિંદગીની એક એક પળ ઘુળમાં ઊડે છે.
તમે ઝરણાંનાં નાનાં વહેણમાં તણાવો છો,
અમારે ઝરણાંનાં પુર વહી જાય છે.
તમે ઘરમાં ખુરશી શોધો છો,
અમારે માટીની ખુરશી કાઢવ બની ગઈ છે.
અરે! તમે એક પળની યાદોમાં રડી બતાવો છો,
અહીં યાદોનું ચોમાસુ વરસે છે.
એક દિવસ ન મળ્યાં કે સાથ છોડવા કહો છો,
અરે! ગુલાબ તો ક્યારનું ખીલી ગયું છે,
એની સુવાસ હમેશા સાથે મ્હેકે છે.
તોડી તો બતાવ, તું એકવાર ફૂલને,
જોજે ફૂલની સાથે સુવાસ પણ મરી જશે...

ગોબરસિંગ આર. રાઠવા
એમ.એ. સત્ર-૩, અનુસ્નાતક ગુજરાતી વિભાગ
સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી

- ગાયત્રી આર. વસાવા
અનુસ્નાતક ગુજરાતી વિભાગ
સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી

એન.વી.પાસના એન.સી.સી. કેડેટ અમિત ભટ્ટની ભારતના પ્રતિનિધિ તરીકે સિંગાપુર ખાતે પસંદગી

ચાક્ષર વિદ્યામંડળ સંચાલિત એન. વી. પટેલ કોલેજ ઓફ ઓર એન્ડ એપ્લાઇડ સાયન્સિઝના એન.સી.સી. કેડેટ અમિત ભટ્ટની 'આંતરરાષ્ટ્રિય યુથ એક્સચેન્જ પ્રોગ્રામ' અંતર્ગત યુકે, યુએસએ અને સિંગાપુરના કેડેટસ સાથે પસંદગી થઈ હતી. તા. ૧૭ થી ૨૬ નવેમ્બર દરમિયાન યોજાયેલા આ એક્સચેન્જ પ્રોગ્રામમાં સિંગાપુર ખાતે ભારતના પ્રતિનિધિ તરીકે અમિત ભટ્ટે વિવિધ સ્પર્ધાઓમાં ભાગ લીધો હતો. તથા વિવિધ ઐતિહાસિક સ્થળો ચાંગી નેવલબેઝ, ભારતીય દૂતાવાસ વિગેરેની મુલાકાત પણ લીધી હતી.

S. P. UNIVERSITY DOCTORAL DISSERTATION : YEAR 2017- 2018

Sr. No	Name of Research Scholars	Name of Guide (Faculty)	Subject	Title of Thesis
1	Shraddha Chandrakant Bhatt	Dr. Praful A. Patel Professor Department of Statistics	Statistics	"On Estimation of a Finite Population total under PPS Sampling when extra auxiliary information is available"
2	Sanjaykumar Bharatbhai Gajera	Dr. M.N.Patel Professor Department of Chemistry	Chemistry	"Synthesis of Some New Biologically Active Hetrocycles and its Applications"
3	Sonu Sharma	Dr. T.V. Ramana Rao Professor BRD School of Biosciences	Botany	"Antioxidant Enrichment and Antimicrobial Protection of Fresh-Cut Fruits using Innovative Approaches"
4	Sarika Rameshchandra Chauhan	Dr. M.K. Yagnik Professor Department of Education	Education	"Development and Tryout of a Programme on Life Skills for Pre-Service Teachers"
5	Tyagi Artee Ajitesh	Dr. Sunil Trivedi, Professor (Microbiology) Smt. L.P. Patel Inst. of Medical Lab. Tech.	Medical Technology (CLT)	"Characterization of Clinical Isolation of Methicillin Resistant Staphylococci"
6	Dharini Mayankbhai Shah	Prof. (Dr.) Y. C. Joshi, Professor G.H.Patel Post Graduate Institute of Business Management	Management	"Sustainable Inclusive Growth : A Framework for the Process of Capability Building in Gujarat"
7	Dhirajlal Dhanjibhai Chauhan	Dr. Merlin Thomas Professor Department of Industrial Chemistry, ISTAR	Industrial Chemistry	"Development of New bio Stimulants for agronomic use from sea weeds and N-Acetyl-L-Thiazolidine-2-carboxylic acid"
8	Ankit Vijaykumar Patel	Dr. Jigar V. Patel Department of Industrial Chemistry, ISTAR	Industrial Chemistry	"Synthesis and Characterization of Bio-Plastics from renewable resources"
9	Jaimin Dilip Bhatt	Dr. K.D. Patel Associate Professor V.P. & R.P. T.P Science College	Pharmaceutical Chemistry	"A Study on Diaryl Pyrazole Clubbed Nitrogen Containing Heterocyclic Entities"
10	Deepa Manoj Mishra	Dr. Shivani Mishra Department of Social Work	Social Work	"Employee Attrition and Retention: Exploring the Dimensions in the Shipping Companies in Kutch"
11	Jayraj Vinubhai Vaghasiya	Dr. S.S. Soni Assistant Professor Department of Chemistry	Chemistry	"Design and Synthesis of Heterocyclic Sensitizers, Solid Electrolytes and Nanostructured Photoanode for Dye Sensitized Solar Cells"

12	Sureshkumar Dhirsingbhai Vasava	Dr. Dayashankar Tripathi Professor Department of Hindi	Hindi	हिन्दी में आदिवासी साहित्य : एक अध्ययन
13	Valay Jayantibhai Solanki	Prof. (Mrs.) S. Manocha Department of Materials Science	Materials Science	"Studies on Development of Acrylonitrile-Butadiene-Styrene/Nylon-6 Blended Polymer Reinforced Nanoclay Composites for Enhancement of Mechanical Properties and Thermal Stability"
14	Krutika Lalit Bhole	Dr. A.V.R.L. Narsimhacharya Professor B.R.D. School of Biosciences	Zoology	"Studies on the ACE Inhibitory and Antioxidant potential of Seasonal Fruits"
15	Kinjalben Dashrathbhai Patel	Dr. Urmila H. Patel Professor Department of Physics	Physics	"X-racystallographic investigation, quantum chemical calculations, Hirshfeld surface analysis and molecular docking studies of significant sulfonamide derivatives"
16	Saini Ajay	Dr. Yogesh C. Joshi Professor G.H.Patel Post Graduate Institute of Business Management	Mangt.	"A Study of BT Cotton Usage on Export of textiles from india with Particular Reference to Cotton Yarn and Fabrics"
17	Monikaben Maheshbhai Patel	Dr. Priti Srinivas Sajja Professor G.H. Patel P.G. Department of Computer Science & Technology	Computer Science	"Study and Evaluation of Water Mark Extraction Techniques using Computational Intelligence"
18	Hetalben Piyushbhai Parmar	Dr. Madanmohan Sharma Department of Hindi	Hindi	वृन्दावनलाल वर्मा और कनैयालाल मुनशी के ऐतिहासीक उपन्यास एक तुलनात्मक अध्ययन
19	Nidhi Rajeshkumar Parmar	Dr. Nirml Kumar J. I. Professor Department of EST, ISTAR	Biotechnology	"Exploration of diet dependent shifts in ruminal microbes of Indian buffalo and cattle through metagenomics"
20	Sharadkumar Chaturbhai Karad	Dr. D.K. Raval Professor Department of Chemistry	Chemistry	"Synthesis and biological screening of novel pyrazole and quinoline based heterocyclic motifs"
21	Divyangkumar Kiritkumar Vyas	Dr. N.N.Patel Principal Anand Commerce College	Commerce	"Problems and Prospects of Selected Micro, Small and Medium Scale Enterprises (MSMEs) Located in Anand District (Gujarat)"

22	Sagar Subhashchandra Vaidya	Dr. Datta Madamwar Professor B.R.D. School of Biosciences,	Microbiology	"Molecular Analysis of Culturable Bacteria of the Long Term Polluted Amlakhadi Canal, Ankleshwar, Gujarat and Application of Enriched Consortia for degradation of Polycyclic Aromatic Hydrocarbons (PAHs)"
23	Rajendrakumar Muljibhai Parmar	Dr. Suresh M. Makvana Professor Department of Psychology	Psychology	"A Study of Adjustment, Life Style and Life Satisfaction of Educated Unemployed Youth"
24	Manish Kant Ojha	Dr. Yogesh C. Joshi Professor, G.H.Patel Post Graduate Institute of Business Management	Economics	"The Inter-District Variations in Agriculture Development in Rajasthan"
25	Induben Ramjibhai Patel	Dr. M.A. Chotalia Associate Professor Department of Education	Education	"Effectiveness of a Programme based on the Textbook of Gujarati (Class IX) for developing affective domain"
26	Rajeshkumar Ramanlal Rathava	Dr. Dilipkumar K. Mehra Professor Department of Hindi	Hindi	माळवा और राठ क्षेत्र की आदिम लोककथाओं का सांस्कृतिक एवं साहित्यिक अध्ययन
27	Praveen Kumar Mishra	Dr. Gursevak Singh Saggu, Director Physical Education	Physical Education	"A Comparative Study of The Psychomotor and Coordinative Abilities of Track and Field Players with Different Levels of Achievement"
28	Nileshkumar Jagdishbhai Patel	Dr. D.I. Brahmbhatt Professor Department of Chemistry	Chemistry	"Synthesis and Biological Activity Study of Some Styryl Bipyridinyl/Pyrazolyl Bipyridinyl/Pyrazolyl Pyrazoline Substituted and Triazolo Thiazino/Benzo Fused Coumarin Derivatives"
29	Ravi Raghavbhai Sonani	Dr. Datta Madamwar Professor B.R.D. School of Biosciences	Biotechnology	"A Structure-Based Functional Analysis of Cyanobacterial Light Harvesting Proteins and their Prospective Therapeutic Applications"
30	Jayshree Pravinbhai Mandaviya	Dr. Manisha S. Bhatt C.Z. Patel College of Business and Management	Commerce	"An Empirical Study on Foreign Exchange Parity Conditions and Contractual Hedge Technique for Exchange Rate Exposure on BRICS Countries"
31	Sunilkumar Satishkumar Trivedi	Dr. N.N. Patel Principal Anand Commerce College	Commerce	"Electricity Trading in India Energy Exchange and Power Exchange India Limited"
32	Urvashi Pareshkumar Acharya	Dr. H.S. Mehta Professor Department of Maths	Mathematics	"A Study of new Generalized Products of Graphs"

33	Sanketkumar Kaushikbhai Ray	Dr. Ujval Trivedi B.R.D. School of Biosciences	Microbiology	"Cost effective production optimization, fermentation scale up and biodegradation assessment of bacterial polyhydroxyalkanoates (PHAs)"
34	Amitkumar Anandbhai Barot	Dr. Vijay kumar Sinha Department of Industrial Chemistry, V.P. & R.P.T.P Science College	Industrial Chemistry	"Chemical Recycling of Textile Waste an Eco-Friendly Approach"
35	Nisarg Kantibhai Prajapati	Dr. Vijay kumar Sinha Department of Industrial Chemistry, V.P. & R.P.T.P Science College	Industrial Chemistry	"Synthesis and Characterization of hydrogels polymers and their applications in controlled drug release formulations"
36	Ilaben Nestorbhai Macwan	Dr. Nilesh Barot, Head Department of Sociology N.A. & T.V. Patel Arts College	Sociology	"A Sociological Study of Elder People Living in Old Age Homes"
37	Dineshkumar Vasudev Thakkar	Dr. R.S. Mehta Associate Professor A.R.College of Pharmacy and G.H.Patel Institute of Pharmacy	Pharmaceutical Sciences	"Design & Synthesis of Novel PTP1B inhibitors & their evaluation for antidiabetic activity"
38	Jayesh Laxmanbhai Gavit	Dr. Pankaj S. Suvera Assistant Professor Department of Psychology	Psychology	"Locus of Control, Insecurity, Life Style and Psychological Adjustment: Comparative Study of Tribal and Non-Tribal College Students"
39	Swetaben Sharadkumar Chauhan	Dr. Neepa Bharucha Associate Professor M.B. Patel College of Edu.	Education	"Development and try-out of learning Task Packages In Biology at Class XI"
40	Vivek Avinash Deshpande	Dr. P.M. George, Head Mechanical Engg. Dept. B.V.M. Engg. College	Mechanical Engineering	"Dynamic Modeling and Control of 5 Degree of Freedom Articulated Robotic Arm"
41	Ravindrakumar Manilal Amin	Dr. Navneet Chauhan Professor, Dept of Hindi	Hindi	पारसी रंगमंच : एक अध्ययन
42	Seemadevi Satyanarayan Patel	Dr. Hasmukh M. Parmar Department of Hindi	Hindi	आँचलिक उपन्यास की परंपरा और विवेकी राय का उपन्यास साहित्य : एक अध्ययन
43	Vishalkumar Bhupendrakumar Purohit	Dr. K.H. Patel Department of Chemistry	Chemistry	"N-Heterocyclic Carbene Complexes of Palladium and Copper: Synthesis, Characterization and Application in Some Organic Transformations"
44	Navneet Kumar Ramdayal Singh	Dr. (Mrs.) Kiran Kalia Professor B.R.D. School of Biosciences	Biochemistry	"Multiple Drug Resistance Staphylococcus Aureus : A Molecular Approach"

મુક્તશીલા કેળવણી

(લેખક : અનિલભાઈ ભટ્ટ, સંપાદક : રમેશ સંઘવી, પ્રકાશક : ગ્રામ દક્ષિણામૂર્તિ ટ્રસ્ટ, આંબલા, ભાવનગર, કિંમત ૩૦૦ રૂપિયા)

પ્રસ્તુત પુસ્તકના લેખક શ્રી અનિલભાઈ ભટ્ટ એટલે ગુજરાતી પાયાની કેળવણી યજ્ઞના અનોખા અધ્વર્યુ, જેમણે પૂરી નિષ્ઠા અને નિસબતથી, લગાવ અને લગનથી, પૂરા હૃદયભાવે સમર્પણભાવે બુનિયાદી પ્રાથમિક કેળવણીની ઉપાસના કરી, પોતાના પરિવાર, દક્ષિણામૂર્તિ અને ગિજુભાઈ બઘેકા દ્વારા ખીલેલું ગ્રામદક્ષિણામૂર્તિ - આંબલામાં નાનાભાઈ અને મનુભાઈ પંચોળીના પગલે તેઓ પાછળથી જોડાયા. પણ એ પથને પોતાનાં આગવાં-મૌલિક સર્જનકર્મથી આલોકિત કર્યો. અનિલભાઈ અને તેમના સાથીઓએ પોતાના દિલના પ્રેમ-પુરુષાર્થ, અને સૂઝ-ઉકલતાથી નથી તાલીમ રસવંતી-અર્થવંતી કરી હતી.

પ્રસ્તુત પુસ્તક ચાર ભાગોમાં વહેંચાયેલું છે : કેળવણીના શીલ અને દર્શન : કેળવણીની આંતરચાત્રા, કેળવણીની વિચારચાત્રા, કેળવણીની કલ્યાણચાત્રા, કેળવણીની હૃદયચાત્રા અને પુરવણી. લેખકની લેખનચાત્રા ૧૯૬૧થી શરૂ થાય છે. પહેલો લેખ કેળવણીની પ્રક્રિયામાં ઉદ્યોગની ભૂમિકાનો છે. યુવાવયે આયોજનબદ્ધ રીતે ઉદ્યોગ શીખવાડવા માટે લેખક જણાવે છે. આયોજન સાથે ગોઠવાયેલો ઉદ્યોગ વિદ્યાર્થી, શિક્ષક અને સંસ્થા ત્રણેયને શિક્ષણલાભ આપે છે. ઉદ્યોગશિક્ષણ અંગે લેખકની છેવટની સમજ ૧૯૯૩ના લેખમાં પ્રગટ થાય છે. ૬૩ વર્ષની પરિપક્વ ઉંમરે ઉદ્યોગશિક્ષણની જરૂરિયાત વિશે લેખકે એક તાત્ત્વિક વાત કરી છે. 'એક બાજુ ઉદ્યોગ દ્વારા માનવીનું સર્વાંગીણ ઘડતર, બીજી બાજુ ન્યાયી, સ્વાતંત્ર્ય આપનારી, સહકારી સમાજ વ્યવસ્થા અને ત્રીજી બાજુ પ્રકૃતિને નુકસાન ન થાય તેની કાળજી. આ ત્રણેય હોય ત્યારે ઉદ્યોગ કેળવણીનો ભાગ બને છે'. અનુભવમાંથી પસાર થયેલી વિચારવંત વ્યક્તિ પાસેથી જ આવો સમૃદ્ધ વિચાર મળે.

'સમાજ નવનિર્માણ'માં વ્યક્તિ અને સમાજ તરફની જવાબદારી સ્પષ્ટ રીતે ચિત્રિત કરતા અનિલભાઈ લખે છે કે વર્ષોની ગુલામી દૂર થવા છતાં ખોળિયામાં પૂરો પ્રાણ નથી આવ્યો. વ્યક્તિગત સ્વાતંત્ર્ય, આર્થિક સમાનતા, સામાજિક ન્યાય અને સરળ, ઝડપી અને શાંતિભર્યો લોકશાહી વહીવટ, આ ચારે બાબતમાં પ્રગતિ એટલે સમાજ નવનિર્માણ.

૧૯૭૦ના દાયકામાં તેમનાં લખાણોનું પ્રયોજન શિક્ષકોને સજ્જતા અને જવાબદારીઓ તરફ ધ્યાનાકર્ષિત કરવાનું છે. શિક્ષકે સમજવાનું છે કે 'વિદ્યાર્થી જ્ઞાતનો ઘોડો કરી અજ્ઞાતને પકડવા, અણતગાનો તાગ લેવા મતે છે.' આ અણદીકાને શિક્ષકે પણ જોવું ઘટે. સમય, અભ્યાસ અને પરિસ્થિતિના બહોળા અંતર છતાં શિક્ષકની યોગ્યતા અંગે સંત કબીરથી માંડી આધુનિક મનીષીઓએ કહેલી વાત એકસમાન છે. ગાંધીવિચાર અને નર્થ તાલીમના શિક્ષણમાં તાત્ત્વિક મુદ્દો સમાજપરિવર્તનમાં શિક્ષકનાં સ્થાન વિશે ગંભીર ચિંતન રજૂ થયું છે. આ કાળમાં અનિલભાઈ શિક્ષકોના શિક્ષક તરીકે તરીકે આવે છે.

૧૯૮૦ના દાયકામાં અનિલભાઈનો વિચાર પ્રવાહ વધુ સહજતા અને આત્મવિશ્વાસથી વહે છે. આ દાયકામાં અનિલભાઈએ ઓછું લખ્યું જણાય છે. પણ એક વિશદ લેખ એમણે ગુરુ અને અભિભાવક સમા દર્શકની કેળવણી અંગે કર્યો છે. આ કેળવણીને લોકાભિમુખ કેળવણી તરીકે સરસ રીતે ઉપસાવી છે. નાનાભાઈ ભટ્ટના અને

મૂળશંકર ભટ્ટના કેળવણી અંગેના વિચારો પણ અનિલભાઈ એનેરી સમજ સાથે રજૂ કરે છે. જીવનના છઠ્ઠા દાયકામાં ૧૯૯૦ પછી ઊંચા સ્થાન-અવસ્થાએ પહોંચીને તેઓ સ્પષ્ટ જોઈ શકે છે. આ અરસામાં તેમનાં લખાણો વિશદ છે. કેળવણીનો પ્રાણ નિર્ભયતા, અનુભૂતિ અને સર્જન; ત્યારે કરીશું; કેળવણીની યાત્રાનું ધ્રુવબિંદુ, ગુજરાતમાં નઈ તાલીમ પુરુષાર્થ અને સિદ્ધિ; સર્વોદયની કેળવણી : પડકાર, આંદોલન અને સમાજ રચના તમજ અન્ય લેખ બહોળા અનુભવ, પ્રયોગ અને વાંચનને અંતે નીપજેલાં સારતત્ત્વો છે. અનિલભાઈ શિક્ષણમાં અનુબંધ વિશે લખે છે, ‘ચાલુ પરિસ્થિતિ સાથે કશો સંબંધ જ ન હોય તેવી સ્થિતિમાં કોઈ સમાજ ટકી શકે જ નહિ. કેળવણીએ વ્યક્તિ તથા સમાજના ભૌતિક, આદિ-ભૌતિક અને આત્મિક વિકાસ માટેનાં દ્વાર ખોલી આપવાનાં છે. પણ તે જ જો બંધિયાર અંધારી કોટડીમાં પુરાઈ રહેવાની હોય તો તેવી કેળવણીની સમાજને શી જરૂર છે?’

લેખકની દષ્ટિએ વિદ્યાર્થીના અનુભવોનાં મુખ્યત્વે ચાર ક્ષેત્રો છે : ખુલ્લી વૈવિધ્યસભર પ્રકૃતિ, વિવિધતા ભરેલી વનસ્પતિ સૃષ્ટિ, પ્રાણી-પક્ષીઓની ભાતીગળ દુનિયા અને માનવ તેમજ સમાજ. આટલો સમૃદ્ધ વારસો લઈને આવનાર વિદ્યાર્થીને શિક્ષક માત્ર ‘અનુભવ વિનાના શબ્દ’નું શિક્ષણ આપે છે. શિક્ષણમાં અનુભવ પાયામાં છે અને શિક્ષક એ અનુભવનો અનુબંધ કરવાનો છે - જ્ઞાન સાથે, સમાજ સાથે, જીવન સાથે. વસ્તુતઃ જ્ઞાનવાન થવું એટલે શું ? જ્ઞાનનું વિવિધ આયામો સાથે અનુબંધિત થવું. અનુબંધની જેમ જ ઉત્પાદક શ્રમ, સમૂહજીવન અને સામાજિક સેવાનાં કાર્યો એ પણ કેળવણીના માધ્યમો છે. સર્જનકાર્ય અને ઉત્પાદક શ્રમનું સાયુજ્ય કેળવણી કર્મને મહત્ત્વનો આયામ આપે છે. ‘સર્જનકર્મથી વિદ્યાર્થીના વ્યવહારની ગૂંચ ઉકેલી જાય છે.’

પ્રસ્તુત ગ્રંથની વિચારયાત્રા-ભાવયાત્રા સાથે ચાલનારને દક્ષિણામૂર્તિધારાનું બીજું એક મહત્ત્વનું પ્રદાન સમજાશે-સમૂહ જીવન. આયોજિત શૈક્ષણિક, પ્રેમભર્યું, સંસ્કારભર્યું, ધબકતું સમૂહજીવન અને તેવું વાતાવરણ એક બૃહત પરિવાર અને સમાજવિદ્યાના અભ્યાસક્રમનું જ એક જીવંત અંગ બની રહે છે. વિચારયાત્રાના આ સઘળા પ્રસંગો આ પુસ્તકનો મહત્ત્વનો ભાગ છે. વિચાર-દર્શનને વ્યવહારમાં કેવી અસરકારક રીતે મુકાયાં તેની પ્રતીતિ આ પ્રસંગો કરાવે છે.

શિક્ષણના પ્રવર્તમાન સઘળાં ધારાધોરણો, માન્યતાઓ, નિયમાવલિઓથી પર જઈને, અરૂઢપણે વિકસતી આ પ્રક્રિયા ‘મુક્તશીલા કેળવણી’ બની રહે છે. શિક્ષણમાં રસ ધરાવતા સૌએ તે સમજવા જેવી છે. પાઠ્યપુસ્તકો, વર્ગખંડ, પરીક્ષા, નિયત અભ્યાસક્રમ, સમયબદ્ધતા આદિથી અલગ ચાલતો અત્યંત લવચીક, સમાજકેન્દ્રી, પ્રકલ્પો આધારિત અને છતાં સઘન વિષયશિક્ષણ આપનાર આ પ્રયોગ અનોખો છે.

કુલ ૩૯૬ પૃષ્ઠોમાં વહેંચાયેલું આ પુસ્તક ગાંધીવિચાર અને જીવન, નાનાભાઈ ભટ્ટ, મનુભાઈ પંચોળી - દર્શક અને મૂળશંકરભાઈથી પ્રભાવિત હોવા છતાં વિચારોમાં તાજગી અને મૌલિકતાની પ્રતીતિ સહ લેખકની અંગતયાત્રા છે. અનિલભાઈની યાત્રા લાંબી, ઊંડી અને આત્મખોજી રહી હોય એવું એમનાં લખાણોમાંથી તરી આવે છે.

‘મુક્તશીલા કેળવણી’ની આ શબ્દયાત્રાનું સંપાદન અને સંકલન રમેશભાઈ સંઘવીએ કર્યું છે. ગુજરાતના કેળવણી-જગતને પ્રસ્તુત પુસ્તક સતત-સઘન માર્ગદર્શન પૂરું પાડી શકે તેમ છે. શ્રી રમેશભાઈ સંઘવી લિખિત આમુખના અંતે છાંદોઅ ઉપનિષદ્ અનુસાર : ‘જે કોઈ કર્મ જ્ઞાનપૂર્વક - સમજણપૂર્વક, શ્રદ્ધાપૂર્વક અને ઉપાસનાપૂર્વક થાય તે સામર્થ્યવાન બને છે. અને આ સામર્થ્યમાં જ સફળતા, સુ-ફળતા અને સ-અર્થકતા નિહિત છે.

લેખકના અનુભવો અને વિચારોના વિશ્વમાં તેમના શબ્દોના સંગ્રાથે આપણે પ્રવેશ કરીએ.

- સંકલન : નીપા ભરૂચા (એસો. પ્રોફેસર, એમ.બી. પટેલ કોલેજ ઓફ એજ્યુકેશન)

સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીમાં ૯૨૪૦ વિદ્યાર્થીઓએ રૂ. ૧૦૦૦ ભરી ટેબલેટ માટે નોંધણી કરાવી

સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીની સંલગ્ન ૬૯ કોલેજોમાંથી શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૧૭-૧૮માં પ્રથમ વર્ષમાં પ્રવેશ મેળવેલ ૯૨૪૦ વિદ્યાર્થીઓએ તા.૨૬-૦૭-૨૦૧૭ સુધીમાં રૂ. ૧૦૦૦ ભરી ટેબલેટ માટે નોંધણી કરાવી.

અત્રે ઉદ્દેશનીય છે કે ભારત સરકારના 'ડિજિટલ ઈન્ડિયા'ના કાર્યક્રમ થકી વધુ ને વધુ ઉચ્ચ ગુણવત્તાયુક્ત ઈન્ટરનેટ સેવાઓ ઉપલબ્ધ થતાં શહેરો સ્માર્ટ સીટીમાં પરિવર્તિત થઈ રહ્યાં છે, ત્યારે રાજ્યમાં યુનિવર્સિટી અને કોલેજ કક્ષાએ અભ્યાસ કરતા વિદ્યાર્થીઓમાં નિયમિત શિક્ષણ ઉપરાંત વધુ માહિતી, ઉચ્ચ ગુણવત્તાયુક્ત શિક્ષણ તથા આંતરરાષ્ટ્રીય કક્ષાએ ઉપલબ્ધ સંસાધનો જેવા કે Massive Online Open Courseware (MOOC) તેમજ ખ્યાતનામ શિક્ષણ સંસ્થાઓના વિડીયો લેક્ચર્સ, સપ્લિમેન્ટરી ક્વીઝ, ઇત્યાદી મેળવવા તરફનો ઝોક જોવા મળે છે. આ માટે તેમની પાસે કોલેજ કક્ષાએ ઉપલબ્ધ સગવડોનો ઉપયોગ કરવા મર્યાદિત તકો રહેતી હોવાથી રાજ્ય સરકાર દ્વારા ધોરણ-૧૨ની માન્ય બોર્ડની વર્ષ-૨૦૧૭ની પરીક્ષામાં ઉત્તીર્ણ થનાર અને ગુજરાત રાજ્યના કાયદા દ્વારા સ્થાપિત યુનિવર્સિટીઓની કોલેજોમાં સ્નાતક કક્ષાના અભ્યાસક્રમોમાં શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૧૭-૧૮માં પ્રવેશ મેળવનાર વિદ્યાર્થીઓને રૂ. ૧૦૦૦/- ના રાહત દરે ગુજરાત સરકાર દ્વારા તા.૧૮-૮-૨૦૧૭ના રોજ ટેબલેટ વિતરણ કરવામાં આવ્યા હતા.

Subscribe Today

Annual	Life
Students : ₹ 50.00	Faculty & Staff: ₹ 1000.00
Others : ₹ 75.00	Institutions & Individuals :
Institutions : ₹ 200.00	₹ 2000.00
Lifetime Subscription in Foreign Exchange:	
US \$ 200.00	€ 150.00
	£ 150.00
Contact: Publication Division, Bhaikaka Library	
Vallabh Vidyanagar 388 120	

Contribute Today

Sheel Shrutam invites news of University's academic institutions, teaching and non-teaching staff, and of students. News should be sent to *Sheel Shrutam* so as to reach fifteen days before the date of publication.

Contact: Tushar Majmudar, IQAC, Sardar Patel University, Vallabh Vidyanagar 388 120.

Email: sheelshrutam@gmail.com

Website: www.spuvvn.edu/academics/publications/

Book Post (Printed Matter)

If undelivered please return to :

The Registrar, Sardar Patel University, Vallabh Vidyanagar - 388 120, Gujarat - India

Sheel Shrutam : A Monthly Newsletter of Sardar Patel University, for Private Circulation.

Published by Registrar, Sardar Patel University, Vallabh Vidyanagar, 388 120

Computerised Type set / Designed and Printed at University Press, Vallabh Vidyanagar

Views expressed in this Newsletter do not necessarily reflect the official policy of the University.